



WEBINAR REPORT

on

Participatory and Sustainable Rural Development – An Experiment in Jhabua, Madhya Pradesh

October 16, 2020



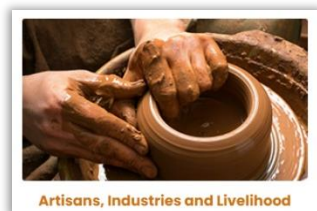
Organic Farming



Water Management



Renewable Energy



Artisans, Industries and Livelihood



Basic Amenities



Convergence

Organized by
Regional Coordinating Institute (RCI)
Unnat Bharat Abhiyan (UBA)
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY ROORKEE

INTRODUCTION

A webinar on “**PARTICIPATORY AND SUSTAINABLE RURAL DEVELOPMENT – AN EXPERIMENT IN JHABUA, MADHYA PRADESH**” was organized by Regional Coordinating Institute (RCI), Unnat Bharat Abhiyan (UBA) in association with Institute Lecture Series, Indian Institute of Technology Roorkee on October 16, 2020.

The coordinators of UBA Participating Institutions (PIs) from Uttarakhand, West Uttar Pradesh and other regions, IIT Roorkee faculty members and students, Gram Pradhans and farmers of adopted villages attended this webinar. Approximately 8000 viewers were connected through WebEx and Facebook Live. The webinar schedule is attached as Annexure – I.

INAGURAL SESSION



Prof. Ashish Pandey, Coordinator, RCI-UBA, IIT Roorkee welcomed the dignitaries and all the participants to the webinar. Prof. Ashish Pandey commenced the webinar that featured Shri Padma Shri Mahesh Sharma. Shri Sharma went to Jhabua in 1998 and for the next five years he visited several villages and met thousands of tribal families to study the various aspects of the community. He started motivating local people to come together to solve their own problems. He identified the potential and mobilized tribal youth to form a team of strong social leaders becoming change makers in their own villages. In 2007, the team established an organization to work with a long-term vision of holistic rural development of Jhabua. With his strong determination and perseverance to impact several lives; he is inspiring a lot of people across the country. Youth from premier institutes like IITs, IIMs, TISS are coming and staying with him in Jhabua to learn the nuances of social work.

Prof. M. Parida, Deputy Director, IIT Roorkee Welcomed Padma Shri Mahesh Sharma. In his address, he said that the inspiring experience of the development model of tribal villages by Padma Shri Mahesh Sharma will serve as a source of inspiration for other participating institutions of the Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee. He said that in the times to come, all of us have to embody the vision of prosperous India by realizing the dream of rural development through such a coordinated effort.



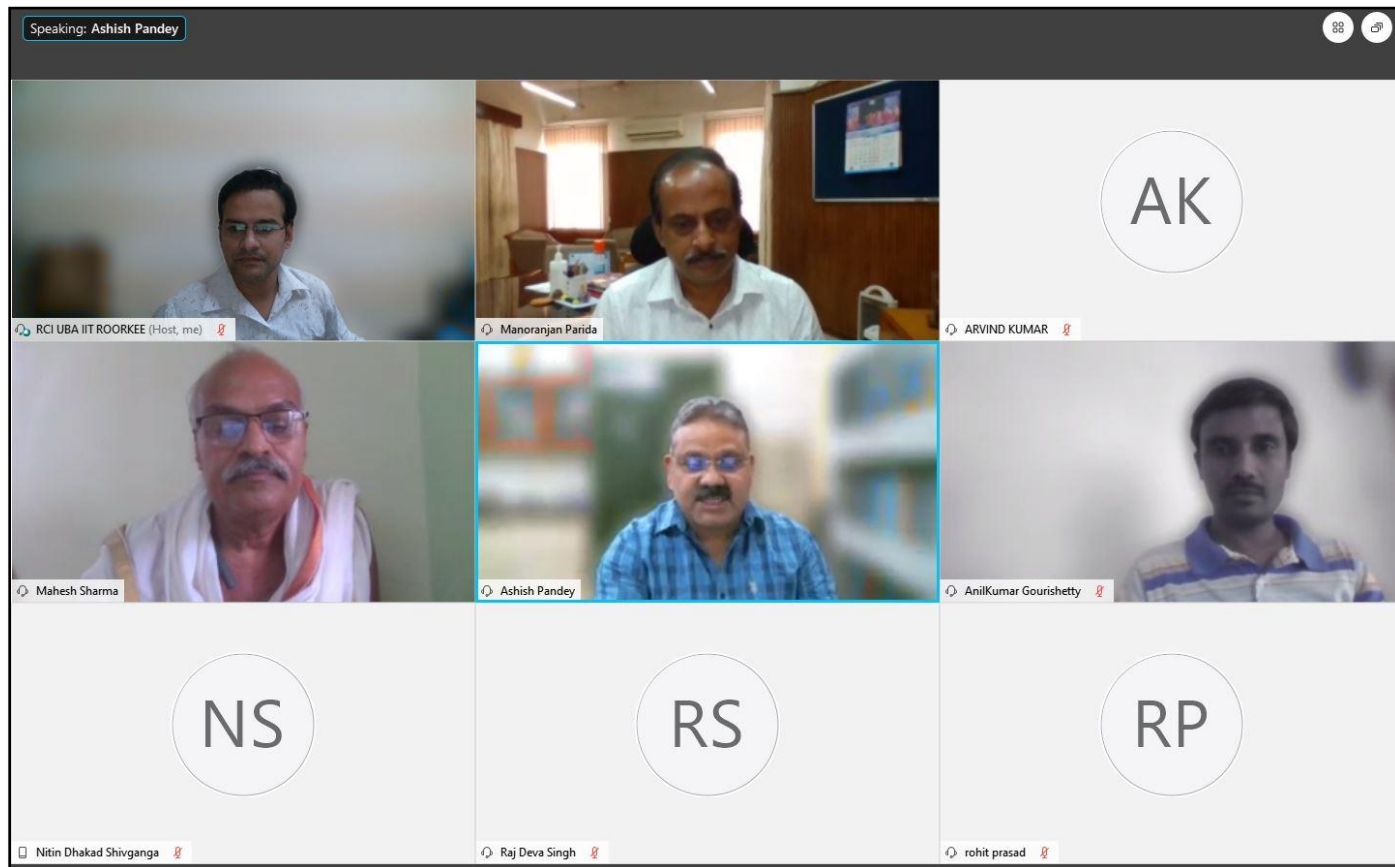


Padma Shri Mahesh Sharma in his keynote address informed that when he made the tribal-dominated Jhabua district of Madhya Pradesh his workplace in the year 1998, it took him about five years to understand the problems of the villagers and gain the trust of the villagers. After this, due to the public support of the villagers, the campaign launched by Halma Abhiyan for water, forest and land under his leadership, greened hundreds of villages in the wastelands of Jhabua. He started the Shivaganga campaign through Halma and he invited more than 2000 people to connect this campaign. He worked together to prepare over 1.11 lakh water structure at hilly area Hathipawa. Shri Sharma said that he changed the picture of more than 700 villages in the tribal district Jhabua of Madhya Pradesh. It is a very big achievement to those who have worked for the water conservation. They have helped to trained the villages for saving the rainwater and prepare the water structure and how could they use this thing in their livelihood. The villagers made the ponds, wells etc. to use the conserved water in his crops. Tribals are improving their standard of living by taking two crops.

During the interactive session, few questions were raised by the participants, which were answered by keynote speaker, Shri Mahesh Sharma Ji.

In the end, Prof. Anil Kumar Gourishetty, Coordinator, Institute of Lecture Series Committee, proposed a formal vote of thanks to Keynote Speaker Padma Shri Mahesh Sharma, Prof. M. Parida, Deputy Director, IIT Roorkee, participants, UBA team and Media Cell of IIT Roorkee.

Photographs of Live Session





on

“PARTICIPATORY AND SUSTAINABLE RURAL DEVELOPMENT – AN EXPERIMENT IN JHABUA, MADHYA PRADESH”



October 16, 2020; 4:00 hrs. (on WebEx)

Organized by

**Regional Coordinating Institute (RCI),
Unnat Bharat Abhiyan (UBA)**

&

Institute of Lecture Series

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY ROORKEE

PROGRAM SCHEDULE

16:00	Welcome of dignitaries and about the Webinar by Prof. Ashish Pandey, Coordinator, RCI-UBA, IIT Roorkee
16:05	Welcome address by Prof. M. Parida, Deputy Director, IIT Roorkee
16:15	Keynote address on “Participatory And Sustainable Rural Development – An Experiment in Jhabua, Madhya Pradesh” by Padma Shri Mahesh Sharma
17:15	Open Discussion
17:30	Vote of Thanks by Prof. Anil Kumar Gourishetty, Convener, Institute Lecture Series Committee, IIT Roorkee

दैनिक जागरण देहरादून/हरिद्वार, 18 अक्टूबर, 2020

जन सहयोग से ही सुधारेगा भूगर्भ जलस्तर

उन्नत भारत अभियान के तहत आइआईटी रुड़की में एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन

जागरण संवाददाता, रुड़की: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआईटी) रुड़की में उन्नत भारत अभियान के तहत एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान ‘सतत ग्रामीण विकास में भागीदारी- झाबुआ, मध्य प्रदेश में एक प्रयोग’ विषय पर वक्ताओं ने विचार रखे। इस मौके पर पद्मश्री महेश शर्मा मुख्य वक्ता रहे।

वेबिनार के दौरान पद्मश्री महेश शर्मा का परिचय दिया गया। बताया गया कि किस तरह उन्होंने एक लाख ग्यारह हजार संरचनाओं का निर्माण कर 700 से अधिक गांवों की तस्वीर बदल दी। पद्मश्री महेश शर्मा ने कहा कि वर्ष 1998 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल



आइआईटी रुड़की में आयोजित वेबिनार में भाग लेते प्रतिभागी • साप्ताहिक आइआईटी रुड़की

झाबुआ जिले को उन्होंने कर्मस्थली बनाया। शुरुआत के पांच साल तो उनको ग्रामीणों की समस्याओं को समझने एवं उनके विश्वास को जीतने में लग गए। 2007 में उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग

से शिव गंगा संगठन बनाकर हलमा अभियान शुरू कर दिया। सभी ग्रामीणों ने यह काम निस्वार्थ और परमार्थ भाव के साथ किया। इसका परिणाम रहा कि 700 से अधिक गांव में करोड़ों लीटर

पानी भूमि के अंदर चला गया। सूखे की समस्या से जूझने वाले इस गांव में पहले खेती का नामोनिशान नहीं था। अब वहाँ गेहूँ की फसल लहलहाने लगी है। उन्नत भारत अभियान के क्षेत्रीय समन्वय संस्थान के प्रो. आशीष पांडे ने कहा कि झाबुआ में गांधी उपनाम से विख्यात महेश शर्मा के मॉडल पर शोध करने के लिए कई आइआईटी और विश्वविद्यालय के छात्र शोध कर रहे हैं। जल, जंगल, जमीन, जानवर और जन संवर्धन का उनका मॉडल सबके लिए प्रेरणास्रोत है। संस्थान के उप निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा ने कहा कि वेबिनार के माध्यम से महेश शर्मा के मॉडल से अन्नों को भी प्रेरणा मिलेगी।

आईआईटी रुड़की में आयोजित वेबिनार को पद्मश्री महेश शर्मा ने संबोधित किया

गांवों के विकास को करने होंगे साझा प्रयास

रुड़की | कार्यालय संवाददाता

आईआईटी रुड़की इंस्टिट्यूट लेक्चर सीरीज एवं उन्नत भारत अभियान, क्षेत्रीय समन्वय संस्थान आईआईटी रुड़की की ओर से पार्टिसिपेटरी एंड सस्टेनेबल रूरल डेवलपमेंट- एन एक्सपेरिमेंट इन झाबुआ पर वेबिनार आयोजित किया गया। पद्मश्री महेश शर्मा ने गांवों के विकास के लिए मिलजुल कर काम करना होगा।

मध्य प्रदेश के जिला झाबुआ में एक लाख ग्यारह हजार जल

संरचनाओं का निर्माण कर 700 से भी अधिक गांवों की तस्वीर बदल देने वाले पद्मश्री महेश शर्मा ने मुख्य वक्ता के तौर पर अपने अनुभव साझा किए। बताया कि जब उन्होंने 1998 में एमपी के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले को अपनी कर्मस्थली बनाया तो पांच वर्षों तक उन्हें समस्याओं को समझने तथा ग्रामीणों का विश्वास हासिल करने में लग गए। ग्रामीणों के सहयोग की बदौलत उनके नेतृत्व में हलमा अभियान द्वारा जल, जंगल एवं जमीन के लिए शुरू

किए गए। अभियान ने झाबुआ की बंजर भूमि के सैकड़ों गांवों को हरा-भरा कर दिया। 2007 में आदिवासी ग्रामीणों के सहयोग से शिवगंगा नाम का एक संगठन बनाकर ग्रामीणों को संगठित किया। आदिवासियों की प्राचीन परम्परा हलमा यानी सभी ग्रामवासियों का मिलजुलकर गांव के विकास के लिए बिना किसी स्वार्थ के परमार्थ की भावना से काम करना प्रारम्भ किया। आज झाबुआ के 700 से भी अधिक गांवों में करोड़ों लीटर पानी जमीन में उतरा।

उन्नत भारत अभियान :

आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय ने कहा कि पद्मश्री महेश शर्मा के मॉडल पर शोध करने के लिए देश के कई आईआईटी, आईआईएम सहित अन्य विश्वविद्यालयों के शोधार्थी काम कर रहे हैं। आईआईटी रुड़की के उप निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा ने कहा कि आने वाले समय में हम सभी को ऐसे ही समन्वित प्रयास से ग्रामीण विकास के सपने को साकार करना है।

News Clippings

Webinar on “A Roadmap for Indian Horticulture both for self-reliance and

अमरउजाला

मंगलवार • 20.10.2020

www.amarujala.com

वेबिनार में सतत ग्रामीण विकास पर की गई चर्चा

रुड़की। आईआईटी रुड़की के तत्वावधान में 'पार्टिसिपेटरी एंड सस्टेनेबल रुरल डेवलपमेंट-एक्सपेरिमेंट इन झाबुआ मध्य प्रदेश' विषय पर आयोजित वेबिनार में सतत ग्रामीण विकास में भगीदारी पर चर्चा की गई।

सोमवार को आयोजित वेबिनार में पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने मध्य प्रदेश के आदिवासी जिला झाबुआ में एक लाख ग्यारह हजार जल संरचनाओं का निर्माण कर 700 से भी अधिक गांवों की तस्वीर बदली है। इसके चलते उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बताया कि वर्ष 1998 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले को अपनी कर्मस्थली बनाया तो लगभग पांच वर्षों तक उन्हें ग्रामीणों की समस्याओं को समझने और विश्वास हासिल करने में लग गए। इसके बाद ग्रामीणों के जन सहयोग की बदौलत उनके नेतृत्व में हलमा अभियान द्वारा जल, जंगल एवं जमीन के लिए शुरू किए गए अभियान में झाबुआ की बंजर भूमि के सैकड़ों गांवों को हरा-भरा कर दिया। वर्ष 2007 में आदिवासी ग्रामीणों के सहयोग से शिवगंगा नाम का एक संगठन बनाकर ग्रामीणों को संगठित किया। इस दौरान आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय, उप निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा आदि मौजूद रहे। संवाद



INSTITUTE LECTURE SERIES

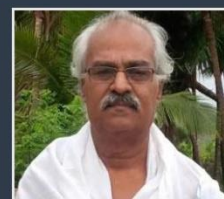
IIT ROORKEE - WEBINAR

In Association with Regional Coordinating Institute (RCI)
Unnat Bharat Abhiyan (UBA), IIT Roorkee



PADMA SHRI MAHESH SHARMA

Participatory and Sustainable Rural Development – An Experiment in Jhabua, Madhya Pradesh



Shri Mahesh Sharma received Padma Shri in the year 2019. He is a social activist, working for sustainable development of tribal villages and revival of tribal traditions in Jhabua, Madhya Pradesh. With his long experience in the social field, he went to Jhabua, a tribal district of Madhya Pradesh in 1998. He spent his first five years traveling extensively from village to village and house-to-house to identify the real problems. Then he used culture and tradition of the land to develop a sustainable model for development and to empower the tribals of Jhabua. He started the Shivganga campaign through Halma. 1 lakh 11 thousand water structures have been built with public participation so far. The forest dwellers are improving their standard of living by taking two crops. Youth from premier institutes like IITs, IIMs, TISS are coming and staying with him in Jhabua to learn nuances of social work.



Friday

October 16, 2020



@ 4:00 PM

Platform: WebEx



Live streaming through IIT Roorkee Facebook page
<https://www.facebook.com/IITRoorkee.ICC/>

Contact details: 01332-286566, 08923652584; Email Id: rciubaiitr@iitr.ac.in

Webinar News Links:

1. <https://doonhorizon.in/uttarakhand/haridwar/a-webinar-on-participatory-and-sustainable-rural/cid1526412.htm>
2. <http://www.dainikhawk.com/category/cities/roorkee/--179579>
3. <https://epaper.jagran.com/epaper/18-oct-2020-107-roorkee-edition-roorkee.html>
4. https://epaper.amarujala.com/roorkee/my-city/2020-10-20/04.html?format=img&ed_code=roorkee